



बढ़कर 31 मार्च 2008 को रु. 6,72,493.65 करोड़ हो गई। देयताओं में यह वृद्धि प्रमुख रूप से जमाराशियों एवं उधारियों में वृद्धि के कारण हुई। वैश्विक जमाराशियाँ 31 मार्च 2008 को रु. 5,37,403.94 करोड़ रहीं एवं 31 मार्च 2007 के स्तर की तुलना में इनमें 23.39% की वृद्धि हुई। जमाराशियों में बैंक का बाजार हिस्सा मार्च 2008 की स्थिति के अनुसार 15.44% रहा।

### निष्पादन के उल्लेखनीय तथ्य

क.	ग्लोबल मार्केट्स
ख.	थोक बैंकिंग समूह
ग.	मध्य कारपोरेट समूह
घ.	राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
ङ.	ग्रामीण व्यवसाय समूह
च.	कारपोरेट कार्यनीति एवं नव व्यवसाय
छ.	अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
ज.	सहयोगी और अनुषंगियाँ
झ.	आस्ति-गुणवत्ता
ञ.	सूचना-प्रौद्योगिकी

#### क. ग्लोबल मार्केट्स

क-1 अलग-अलग समय क्षेत्रों के विभिन्न बाजारों में अपनी समस्त राजकोषीय गतिविधियों जैसे फोरेक्स, ब्याज-दरों, बुलियन, ईक्विटी और वैकल्पिक आस्तियों को समेकित करने के अपने प्रयास के अनुसार बैंक ने अपने राजकोषीय परिचालनों को ग्लोबल मार्केट में पुनर्नामित किया है।

कारपोरेट केंद्र, मुंबई में, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त डीलिंग रूम का उद्घाटन किया गया जो देश भर की सभी शाखाओं में ऑन-लाइन से जुड़ा हुआ है। इस डीलिंग रूम में उद्योग से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जिससे हमारे ग्राहकों को बाजार-निर्धारित फारेक्स दरों की जानकारी अविराम मिल जाती है।

वर्ष के दौरान 10 वर्ष आधार वाले प्रतिफलों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। वर्ष के दौरान 8.38% के उच्च स्तर पर पहुँचा और अंततः 31 मार्च 2008 को 7.94% के स्तर पर बंद हुआ। ऋण वृद्धि में आई आंशिक मंदी के कारण 31 मार्च 2007 की तुलना

में देशी निवेश संविभाग में रु. 36,311.76 करोड़ की वृद्धि हुई। चलनिधि की स्थिति लगभग पूरे वर्ष संतोषजनक रही, जिससे बैंक को उच्च लागत वाली थोक जमा राशियों के स्तर को कम करने में सहायता मिली। उच्च ब्याज दरों की पृष्ठभूमि में बांड बाजार की स्थिति व्यापार के अनुकूल नहीं थी। वर्ष के दौरान पूंजी बाजार में आए उफान का लाभ उठाने के लिए बैंक ने अपनी व्यापार गतिविधियों को ईक्विटी और म्यूचुअल फंड संविभाग में विविधीकृत किया।

क.2 व्यापार करते समय निवल आय पोर्टफोलियो से होने वाले लाभ पर उच्चतर ब्याज दरों के कारण दबाव बना रहा। वैश्विक बाजार से हुए लाभ में ईक्विटी एवं म्यूचुअल फंडों से सम्बन्धित व्यापार का प्रमुख योगदान रहा। ईक्विटी एवं म्यूचुअल फंड निवेश संविभाग से हुए व्यापारिक लाभ में 321% की वृद्धि हुई। निवेश संविभाग से हुई ब्याज आय में निरपेक्षस्तर पर वृद्धि हुई जिसका कारण समग्र नियत आय संविभाग में हुई वृद्धि थी जो रु.1,36,927.48 करोड़ से बढ़कर रु. 1,73,239.24 करोड़ रही। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सी आर आर दर को वर्ष के दौरान चार चरणों में 6% से बढ़ाकर 7.50% करने तथा सीआरआर जमाराशियों पर ब्याज न देने के निर्णय के कारण राजकोषीय परिचालन की समग्र आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सीआरआर जमाराशियों पर सीआरआर पर शेष आय को घटाकर राजकोषीय परिचालन से औसत आय 6.45% से बढ़कर 7.35% हो गई।

नियत आय संविभाग पर ब्याज दर जोखिम को कम करने के लिए बैंक ने कई उपाय किए, जिनमें संविभाग की आवधिकता को कम करना तथा रु. 9,662 करोड़ की प्रतिभूतियों को “बिक्री के लिए उपलब्ध” श्रेणी से हटाकर “परिपक्वता के लिए रखी गई” श्रेणी में डालना शामिल है।

क.4 विदेशी मुद्रा के क्रय-विक्रय में पर्याप्त वृद्धि हुई और यह - रु. 7,67,889 करोड़ से बढ़कर रु. 11,74,029 करोड़ तक पहुँच गई इस प्रकार इस कारोबार से एक्सचेंज आय में वर्षानुवर्ष 59% की वृद्धि हुई और यह रु. 202.20 करोड़ से बढ़कर रु. 321.64 करोड़ हो गई।

#### ख. थोक बैंकिंग समूह

ख.1 थोक बैंकिंग समूह 3 कार्यनीतिक व्यवसाय इकाइयों से मिलकर बना है, जिनके नाम हैं - कारपोरेट लेखा समूह, परियोजना वित्त और लीजिंग एसबीयू और तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह।





crore on 31<sup>st</sup> March 2007 to Rs. 6,72,493.65 crore on 31<sup>st</sup> March 2008. The increase in liabilities was mainly contributed by increase in deposits and borrowings. The Global deposits stood at Rs.5,37,403.94 crore as on 31<sup>st</sup> March 2008, representing an increase of 23.39 % over the level on 31<sup>st</sup> March 2007. The Bank's market share in deposits was 15.44% as of March 2008.

### Performance Highlights

	<b>Core Operations</b>
A	Global Markets
B	Wholesale Banking Group
C	Mid Corporate Group
D	National Banking Group
E	Rural Business Group
F	Corporate Strategy & New Business
G	International Banking Group
H	Associates & Subsidiaries
I	Asset Quality
J	Information Technology

#### A. GLOBAL MARKETS

A.1 In keeping with its integrated approach to all treasury activities in various markets in different time zones i.e., Forex, Interest Rates, Bullion, Equity and Alternative Assets, the Bank redesignated its Treasury Operations into "Global Markets"

A new state-of-the-art Dealing Room with online connectivity to all active forex intensive Branches across the country was inaugurated at Corporate Centre in Mumbai with facilities matching the best in the industry. This facility ensures continuous availability of market determined forex rates to our customers.

The year witnessed volatility in 10-year base yields which moved upwards to 8.38% during the year and finally closed at 7.94% as on 31<sup>st</sup> March 2008. Marginal slow down in credit growth led to

increase in overall Domestic investment portfolio by Rs.36311.76 crore over 31<sup>st</sup> March 2007. Liquidity position remained comfortable during most part of the year which helped the Bank to bring down high cost bulk deposits. In the backdrop of higher interest rate regime, Bond Market conditions were less conducive to trading opportunities. The Bank diversified its trading activity to Equity and Mutual Fund portfolio to encash the opportunities available through the buoyant capital markets during the year.

A.2 While trading profits from Fixed Income portfolio came under pressure because of higher interest rate regime, Global Market's profits were contributed primarily by trading in equity and mutual funds. Trading profits from equity and mutual funds portfolio has increased by 321%. Interest income from investment portfolio increased in absolute terms due to the increase in the overall Fixed Income portfolio from Rs.1,36,927.48 crore to Rs.1,73,239.24 crore. RBI's decision to increase CRR rate from 6.00% to 7.50% in four stages during the year and withdrawal of interest payable on CRR balances impacted overall income from Treasury operations. Average yield on treasury operations net of income on CRR balances increased from 6.45% to 7.35%.

A.3 The Bank contained the interest rate risk of the Fixed Income Portfolio through a combination of measures including reduction in the duration of the portfolio and shifting of securities with a book value of Rs.9,662 crore from Available for Sale portfolio to Held to Maturity portfolio.

A.4 Trading volumes in forex operations increased substantially from Rs.7,67,889 crore to Rs.11,74,029 crore thereby increasing the exchange income from these operations by 59 % Y-O-Y to Rs.321.64 crore from Rs.202.20 crore.

#### B. WHOLESALE BANKING GROUP

**B.1** The Bank's Wholesale Banking Group consists of three Strategic Business Units viz., Corporate Accounts Group, Project Finance & Leasing SBU and Stressed Assets Management Group.





बैंक ने हाल ही में थोक बैंकिंग पहल का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य, स्टेट बैंक समूह के आपसी तालमेल का लाभ उठाकर बैंक के कारपोरेट ग्राहकों को उनकी समस्त बैंकिंग आवश्यकताओं के लिए “वन स्टाप शाप” सुविधा उपलब्ध कराना है। इस पहल का प्रयोजन, कारपोरेट ग्राहकों को सुसंगठित, ग्राहक अनुरूप, विशेषज्ञ बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराना है ताकि ऐसे ग्राहकों के साथ बैंक-व्यवसाय का बाजार अंश बढ़ाया जा सके।

### तालिका 2 - थोक बैंकिंग समूह - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.2007 को	31.03.2008 को	संवृद्धि %
जमा	6669	9823	47
अग्रिम	37989	46042	21

### ख.2 कारपोरेट लेखा समूह - (सीएजी)

दिनांक 31.03.2008 को कारपोरेट लेखा समूह के ऋण संविभाग में बैंक के वाणिज्यिक और संस्थागत गैर खाद्य ऋण का लगभग 23% और कुल देशी ऋण का 12% शामिल था।

#### उठाए गए कदम:

- वर्ष के दौरान शुल्क आधारित सेवाओं पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने के कारण शुल्क आधारित आय में 62% की वृद्धि हुई।
- फोरेक्स व्यवसाय के क्षेत्र में कारपोरेट लेखा समूह की विकास यात्रा जारी रही जिसके कारण 79% की संवृद्धि दर्ज की गई और बैंक के कुल देशी फोरेक्स टर्नओवर में सीएजी का योगदान 49% रहा।
- बैंक का नकदी प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी) “एसबीआई फास्ट” - वसूली और भुगतान सेवाओं के साथ-साथ विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के माध्यम से कारपोरेट ग्राहकों का चलनिधि प्रबंधन करता है। इन उत्पादों में निम्न शामिल हैं: आटो स्वीप सुविधा, ग्राहक अनुरूप एमआइएस और समाधान, इसने समाधान सहयोग के साथ स्वचालित बल्क एनइएफटी, ईसीएस, आरटीजीएस भुगतान, सरकारी आयकर वापसी आदेशों (आइटीआरओ) का केंद्रीकृत थोक प्रसंस्करण शुरू किया और इस उद्देश्य के लिए काल-सेंटर की स्थापना की गई। स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग के माध्यम से सीएमपी - ई - भुगतान और ई-वसूली जैसे ग्राहकोनुकूल नए क्षेत्रों में भी प्रवेश करने वाला है।

### ख.3 परियोजना वित्त और लीजिंग एसबीयू

परियोजना वित्त एसबीयू आधारभूत क्षेत्रों, जैसे ऊर्जा, दूरसंचार, सड़कों, बंदरगाहों (पोर्ट), हवाई अड्डों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और अन्य मूल परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करता है। यह ऐसी गैर-संरचनात्मक परियोजनाओं को भी हाथ में लेता है, जिनकी परियोजना लागतों की निर्दिष्ट न्यूनतम सीमाएँ निर्धारित हैं। वर्ष के दौरान परियोजना ऋणों के समूहन और हामीदारी पर ध्यान केंद्रित किया

गया। वर्ष 2007-08 के दौरान, परियोजना वित्त एसबीयू ने रु.92,558 करोड़ ऋण राशि की परियोजनाओं को हाथ में लिया और रु.20,195 करोड़ की संस्वीकृत प्राप्त की और अन्य बैंकों के साथ रु 54,951 करोड़ का ऋण समूहन किया।

अनुकूल वातावरण न होने और सस्ती लागत पर वित्तपोषण के अन्य विकल्पों की उपलब्धता को देखते हुए बैंक ने चालू वर्ष के दौरान भी लीज करार न करने का निर्णय किया। मार्च 2008 के अंत में “संवितरण” और पूंजीकरण “शून्य” तथा लाभ रु.8.81 करोड़ रहा।

### ख 4. तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएमजी)

वर्ष 2007-08 के दौरान तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह का निष्पादन नीचे तालिका में दिया हुआ है :

### तालिका - 3 एसएमजी - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपए में)

1.	अनर्जक आस्तियों में नकदी वसूली	337
2.	मानक आस्तियों में कोटि उन्नयन	53
3.	बट्टे खाते में डालना	368
4.	अनर्जक आस्तियों में कुल कमी (1+2+3)	758
5.	बट्टे खाते डाले गए खातों में से वसूली	336

अलाभकारी आस्तियों के समाधान के लिए सतत प्रयास सुनिश्चित करने हेतु रु. 5 करोड़ और उससे अधिक बकाया वाली सभी अनर्जक आस्तियों के अधिग्रहण के लिए आरंभ में तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएमजी) का गठन किया गया। अब इसकी परिधि में रु.1.00 करोड़ और उससे अधिक राशि के ऋणों को शामिल कर दिया गया है एसएमई और वैयक्तिक खंडों में रु.1.00 करोड़ और उससे अधिक राशि की अनर्जक आस्तियों के निपटान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूरे देश में 92 तनावग्रस्त आस्ति समाधान केंद्रों की स्थापना की गई है। इनमें से बैंक के वसूली प्रयास को प्रोत्साहित करने हेतु 44 स्वतंत्र एसएमजी को चरणबद्ध तरीके से एसएमजी के अधीन लाया जा रहा है। इस वर्ष 9 एसएमजी को एसएमजी के नियंत्रण में पहले ही ला दिया गया है। एसएमजी का निष्पादन उत्साहवर्धक रहा है और अनर्जक आस्तियों के प्रबंधन में हम ठोस प्रगति की आशा करते हैं।

### ग. मध्य कारपोरेट समूह

ग-1 संबंध प्रबंधन और द्रुत ऋण प्रक्रिया के माध्यम से मध्य कारपोरेट समूह, मध्य कारपोरेट इकाइयों के व्यवसाय को आकर्षित करने में अत्यधिक सफल रहा है। इस खंड को अतिरिक्त महत्व देने के उद्देश्य से, वर्ष के दौरान, मध्य कारपोरेट समूह के मुखिया के रूप में उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (मिड कारपोरेट) की स्वतंत्र पदभार के रूप में नियुक्ति की गई।





The Bank has recently launched the "Wholesale Banking Initiative" to harness the SBI Group synergy for the benefit of the corporate customers by providing them with a 'One Stop Shop' facility for all their banking needs. The initiatives aim at providing comprehensive, customised and specialized banking solutions to the corporates thereby enhancing Bank's share of business with them.

**Table : 2 WBG – Highlights**

(Amount in Rs. crore)

Particulars	As on 31.03.2007	As on 31.03.2008	Growth %
Deposits	6669	9823	47
Advances	37989	46042	21

### B.2 Corporate Accounts Group (CAG)

The loan portfolio of CAG constituted about 23% of the Bank's Commercial and Institutional non-food credit and 12% of the total domestic credit portfolio as on 31.03.2008.

#### Initiatives taken:-

- With focused initiatives on fee-based services, fee-based income registered an impressive 62% growth during the year.
- CAG continued on the growth trajectory in forex business registering a YOY growth of 79% and contributed 49% of the total domestic forex turnover of the Bank.
- SBI FAST, the Cash Management Product (CMP), in addition to offering collections and payments services, also facilitates the corporates' liquidity management by offering various value added products. These include auto sweep facility, customized MIS and reconciliation support, automated bulk NEFT, ECS and RTGS payments with reconciliation support etc. It has started processing of centralized payments in bulk (Income Tax Refund Orders) and has put in place a call centre for this purpose. CMP is well poised to enter new areas like customized e-payments and e-collections with Straight Through Processing.

### B.3. Project Finance & Leasing SBU

The Project finance SBU focuses on funding core projects like power, telecom, roads, ports, airports, SEZ and others. It also handles non-infrastructure projects with certain ceilings on minimum project costs. During the year, the focus was on syndication

and underwriting of project loans. Project Finance-SBU took up projects involving total debt of Rs. 92,558 crore and achieved sanctions of Rs. 20,195 crore, while it syndicated Rs. 54,951 crore with other banks during the year 07-08.

In view of the unfavourable climate and availability of alternative funding options at cheaper cost, the Bank decided not to write leases during the current year also. As at the end of March 2008, the disbursements and capitalization were "NIL" and profit amounted to Rs.8.81 crore.

### B.4. Stressed Assets Management Group (SAMG)

The performance of SAMG during the year 2007-08 is given in Table No. 3 below.

**Table : 3 SAMG – Highlights**

(Amount in Rs. crore)

1	Cash Recovery in NPA	337
2	Upgradation to Standard Assets	53
3	Write Off	368
4	Gross reduction in NPAs (1+2+3)	758
5	Recovery in written off accounts	336

Stressed Assets Management Group (SAMG) was initially set up to take over all NPAs with outstanding of Rs. 5 crore and above for focused efforts in resolution of NPAs. The coverage has now been extended to Rs.1.00 crore and above across the country.

92 Stressed Assets Resolution Centres (SARCs) have been opened across the country for more focused resolution of NPAs with outstandings upto Rs.1 crore in SME and Personal segments. Out of these, 44 independent SARCs are being brought under SAMG in a phased manner to give further fillip to the Bank's recovery efforts. In this direction, 9 SARCs have already been brought under the control of SAMG during the year. The performance of SARCs is encouraging and we expect to make substantial progress in the Management of NPAs.

### C. MID-CORPORATE GROUP

**C.1.** The Mid-Corporate Group (MCG) has been immensely successful in attracting the business of Mid-Corporate units through relationship management and quicker credit processing. To give added focus to this segment during the year, a Dy. Managing Director & Group Executive (Mid-Corporates) was posted to independently head the operations of the Mid-Corporate Group.

